

महंगाई बढ़ी तो बदला पैकेट का गणित

- ▶ **छोटे पैक में मात्रा घटाकर कीमत की स्थिर**
- ▶ **बड़े पैकेट की कीमत 5 से 6 फ़ीसद तक बढ़ाई**

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली, 7 अक्टूबर. दशहरा और दिवाली से पहले रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान की बढ़ती कीमतों का असर अब अलग तरीके से दिखाई दे रहा है. कच्चे माल और उत्पादन से जुड़ी लागत बढ़ने के बीच कंपनियां हर पैकेट की कीमत सीधे बढ़ाने से बच रही हैं. इसके बजाय छोटे पैक में सामान की मात्रा घटाई जा रही है. कई मामलों में मात्रा में 2 से 7 फीसदी तक की कमी की जा रही है. वहीं बड़े पैक की कीमत सीधे 5 से 6 फीसदी तक बढ़ाई जा रही



त्योहारी सीजन में डेयरी उत्पादों की लागत पर भी दबाव बढ़ रहा है. त्योहारी सीजन में दूध की कीमत 3 रुपये प्रति लीटर तक और बढ़ सकती है. घी की कीमत पहले ही 25 से 30 रुपये प्रति किलो बढ़ चुकी है. इसके अलावा इतनी ही और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है. त्योहारों के दौरान मिठाइयों और दूसरे खाद्य पदार्थों में डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ने से भी कीमतों पर नजर बनी हुई है.

है. ग्राहक को कई सामान पहले जितने ही रुपये में मिलेंगे, लेकिन पैकेट में सामान कुछ कम होगा. एफएमसीजी कंपनियों के सामने

इस समय लागत बढ़ने और ग्राहकों की कीमत का झटका देने से बचने की दोहरी चुनौती है. पाम ऑयल, पैकेजिंग, कच्चे तेल से

जुड़े उत्पादों और दूसरी जिंसों की कीमत बढ़ने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है. ग्राहक रोजमर्रा की चीजों की कीमत को लेकर काफी सतर्क हैं. ऐसे में कंपनियां ऐसी कीमत बनाए रखना चाहती हैं, जिससे बिक्री की मात्रा पर ज्यादा असर न पड़े. इसलिए छोटे पैक में कीमत बढ़ाने के बजाय सामान की मात्रा कम करना आसान विकल्प माना जा रहा है. ग्राहक को पैकेट की कीमत पहले जैसी दिखाई देती है, लेकिन उसमें मिलने वाला सामान कम हो जाता है. यह बदलाव बिस्कुट, नमकीन, स्नैक्स, नूडल्स, हेयर ऑयल, साबुन, शैंपू, डिजैट, चीनी और चाय जैसी रोजमर्रा की चीजों में देखने को मिल रहा है. बिस्कुट, नमकीन और स्नैक्स बनाने वाली कई कंपनियों ने बढ़ी लागत से निपटने के लिए कुछ उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं.



सोना 498 रु. गिरकर 1.48 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली. सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई. 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 498 सस्ता होकर 1.48 लाख पर आ गया. वहीं एक किलो चांदी का भाव 1,245 गिरकर रू. 2.22 लाख रह गया. इससे पहले सितंबर में भी दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में बड़ी कमी देखने को मिली थी. 31 अगस्त को 10 ग्राम सोने की कीमत १1.56 लाख थी, जो 30 सितंबर तक घटकर 1.48 लाख रह गई. यानी सितंबर में सोना करीब 8 हजार सस्ता हुआ. इसी तरह एक किलो चांदी का भाव अगस्त के अंत में 2.37 लाख था, जो सितंबर के अंत तक घटकर रू. 2.22 लाख रह गया.

32 विकसित बाजारों में बढ़ेंगे कारोबार के अवसर

- ▶ **वाणिज्य विभाग ने बनाया उपयोगिता प्रकोष्ठ**
- ▶ **भारतीय निर्यातकों के लिए 32 देशों में नए अवसर**

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली, 7 अक्टूबर. मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ भारतीय उद्योग और निर्यातकों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए वाणिज्य विभाग ने एफटीए उपयोगिता प्रकोष्ठ स्थापित किया है.

सरकार का लक्ष्य देशभर के कारोबारियों को यह समझाना है कि अलग-अलग एफटीए के तहत उन्हें कितने बाजारों में क्या अवसर मिल सकते हैं और उपलब्ध शुल्क रियायतों का इस्तेमाल किस तरह किया जाए. इसके लिए उद्योग संघों,



निर्यात संवर्धन परिषदों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम किया जाएगा. वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भारत-ईएफटीए समुद्धि शिखर सम्मेलन में बताया कि प्रकोष्ठ का उद्देश्य एफटीए को सिर्फ व्यापार समझौते के रूप में देखने के बजाय उसके वास्तविक उपयोग पर जोर देना है. प्रत्येक भागीदार देश के बाजार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी और अगले चार-पांच वर्षों तक

उस पर काम किया जाएगा. इससे भारतीय कंपनियों और संबंधित देशों के बाजारों के बीच कारोबारी एकीकरण बढ़ाने की कोशिश होगी. भारत ने ईएफटीए के चार देशों- आइसलैंड, लिक्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता किया है. इसके अलावा न्यूजीलैंड, मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ओमान, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी व्यापार

वाणिज्य सचिव के मुताबिक कुल मिलाकर इन व्यवस्थाओं के जरिए भारत के लिए 32 देशों के बाजारों में व्यापक व्यापार अवसर बन रहे हैं. सरकार का जोर शुल्क की निश्चितता को भी कारोबार के लिए बढ़ा लाभ मानने पर है. स्थिर शुल्क व्यवस्था से कंपनियों को भविष्य के निवेश, आपूर्ति शृंखला और उत्पादन विस्तार की योजना बनाने में मदद मिलती है. इन समझौतों से कृषि निर्यात के लिए भी संभावनाएं बढ़ी हैं. संबंधित बाजार हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक के कृषि उत्पाद आयात करते हैं.

समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है.

एअर इंडिया-सिंगापुर एयरलाइंस ने बढ़ाई साझेदारी

15 अक्टूबर से ज्यादा उड़ानें, अब 126 साप्ताहिक उड़ानों का विकल्प



इस सहयोग के विस्तार में सिंगापुर और भारत के आठ प्रमुख शहरों के बीच कुल 126 साप्ताहिक उड़ानें शामिल हैं. इनमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता और मुंबई शामिल हैं.

इससे इन शहरों से सिंगापुर जाने वाले यात्रियों को अपनी जरूरत के मुताबिक उड़ान चुनने में अधिक सुविधा मिलेगी. सबसे बड़ा बदलाव कोडशेयर बुकिंग से जुड़ी मौजूदा शर्त में होगा. फिलहाल सिंगापुर एयरलाइंस के माध्यम से बुक की गई एअर इंडिया की संचालित कोडशेयर उड़ान में सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान का शामिल होना जरूरी होता है. 15 अक्टूबर से यह शर्त समाप्त कर दी जाएगी. यात्री दोनों विमानन कंपनियों के बुकिंग

चैनलों के जरिए भारत और सिंगापुर के बीच उपलब्ध योग्य उड़ानों में से अपनी पसंद की उड़ान चुन सकेंगे. इससे यात्रियों को समय, मार्ग और उड़ान के हिसाब से यात्रा की बेहतर योजना बनाने का मौका मिलेगा. दोनों कंपनियों के बीच यह विस्तार इस साल जनवरी में हुए वाणिज्यिक सहयोग ढांचे का हिस्सा है. इसका उद्देश्य भारत और सिंगापुर के बीच हवाई संपर्क में अग्रिम मजबूत करना तथा यात्रियों के लिए यात्रा प्रक्रिया को सरल बनाना है.

समाचार विशेष

पीएम मोदी की कक्षा में शिवराज ने बच्चों को दिए मंत्र

- ▶ **वडनगर के स्कूल में भावुक हुए शिवराज**
- ▶ **बच्चों से बोले हमेशा बड़े सपने देखें और उन्हें साकार करो**

नवभारत कनेक्ट वडनगर, 7 अक्टूबर. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह नगर वडनगर पहुंचे. उन्होंने उस प्राथमिक विद्यालय का दौरा किया, जहां मोदी ने बचपन में पढ़ाई की थी.

स्कूल की उसी कक्षा में पहुंचकर, जहां कभी नरेंद्र मोदी बैठकर पढ़ते थे, शिवराज ने कहा



कि जिस स्थान ने देश को प्रधानमंत्री दिया, वहां आना उनके लिए परम सौभाग्य है. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि किसी की सफलता के आड़े नहीं आती. मजबूत इरादे, मेहनत और देशसेवा का भाव हो तो व्यक्ति बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है. स्कूल पहुंचने पर

शिवराज ने मां संस्वती की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद किया. इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने सहपाठी रहे एक बुजुर्ग से भी उनकी मुलाकात हुई. उन्होंने मोदी के बचपन से जुड़े संस्मरण सुनाए

बच्चों ने सुनाई कविताएं

वडनगर के प्रेरणा स्कूल में देश के अलग-अलग राज्यों से आए विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं. शिवराज ने बच्चों से पूछा कि प्रधानमंत्री की पुरानी कक्षा में बैठकर पढ़ने का अनुभव कैसा है. विद्यार्थियों ने खुद को भाग्यशाली बताते हुए देश के लिए काम करने की इच्छा जताई. बच्चों ने 'विकसित भारत 2047' पर अपनी स्वरचित कविताएं भी सुनाई.

और बताया कि नरेंद्र भाई पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी सक्रिय रहते थे. वे बचपन से ही मिलनसार और निर्भीक स्वभाव के थे.

नवभारत कनेक्ट

भुवनेश्वर, 7 अक्टूबर. समुद्र में किसी जहाज या नाव के संकट में फंसने पर राहत और बचाव अभियान को और तेज तथा प्रभावी बनाने के लिए भारत अपनी तैयारियों की बड़ी परीक्षा लेने जा रहा है.

भारतीय तटरक्षक बल की ओर से पारादीप के पास आज राष्ट्रीय स्तर का समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास आयोजित किया जाएगा. इसमें 30 मित्र देशों के 32 प्रतिनिधि शामिल होंगे. अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न देशों और भारतीय एजेंसियों के बीच संयुक्त बचाव अभियान की क्षमता, आपात प्रतिक्रिया और समन्वय

तटरक्षक बल मित्र देशों के साथ आज से करेगा अभ्यास



को परखना है. इससे पहले बुधवार को 24वीं राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव बोर्ड की बैठक हुई. भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक और बोर्ड के अध्यक्ष परमेश शिवमणि की अध्यक्षता में हुई बैठक में नौसेना, वायुसेना, भारतीय अंतरिक्ष

अनुसंधान संगठन, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र, मौसम विभाग, नागरिक उड्डयन, सीमा शुल्क, तटीय पुलिस, मत्स्य विभाग और बंदरगाह प्राधिकरणों सहित कई एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए.

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का अपना पीडीए

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पीडीए बनाया है. पीडीए का अर्थ है पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक. हालांकि बीच बीच में वे कोई और अर्थ भी बताते रहते हैं. पिछले दिनों ब्राह्मणों को खुश करने के लिए कह दिया कि उनके पीडीए में पीडी का मतलब है पंडित. लेकिन असल मतलब पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक है. अखिलेश ने पिछले दिनों पीडीए रथयात्रा भी शुरू की. उन्होंने पीडीए यात्रा राहुल गांधी के चुनाव क्षेत्र रायबरेली से की. रायबरेली से यात्रा शुरू करने से पहले उन्होंने न तो राहुल गांधी से बात की और न कांग्रेस को भरोसे में लिया.

चुनावी घमासान | मामा साधु यादव से मुलाकात और छपरा से चुनाव लड़ने का दावा

रोहिणी के लिए तैयार हो रही दूसरी पारी की जमीन

पटना, 7 अक्टूबर. करीब 11 महीने बाद रोहिणी आचार्य सिंगापुर से पटना लौटीं. उन्होंने आते ही साफ किया कि उनकी वापसी को राजनीतिक रंग न दिया जाए. उनका कहना था कि पिता लालू यादव ने बुलाया है.

वह अपने माता-पिता से मिलने आई हैं. लेकिन पटना लौटने के कुछ ही दिनों बाद घटनाक्रम बदलता दिखा. पहले लालू यादव का बुलावा. फिर परिवार से मुलाकात. अब लंबे समय बाद मामा साधु यादव से मुलाकात. इसके बाद साधु यादव



का बयान कि रोहिणी चुनाव लड़ेंगी. अगर छपरा से लड़ती हैं तो उनका पूरा समर्थन रहेगा. यहीं से सवाल खड़ा हो गया है. क्या रोहिणी को वापसी सिर्फ पारिवारिक है? या इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जाने लगे हैं?

रोहिणी आचार्य अपने मामा साधु यादव के घर पहुंचीं और पैर छूकर आशीर्वाद लिया. मामी से भी मुलाकात की. साधु यादव ने इसे पारिवारिक मुलाकात बताया. उन्होंने कहा कि रोहिणी सिंगापुर से आई हैं और उनके घर आने से खुशी हुई है. सियासी सवालों पर

रोहिणी ने वापसी को क्यों बताया था निजी

1 अक्टूबर को रोहिणी आचार्य पटना पहुंची थी. एयरपोर्ट पर लालू यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती उन्हें लेने पहुंचे थे. परिवार के साथ उनकी भावुक मुलाकात भी हुई. रोहिणी ने उस समय कहा था कि वह अपने माता-पिता से मिलने आई हैं. उन्होंने लोगों से उनकी वापसी को राजनीतिक रंग नहीं देने की अपील भी की थी. यानी उनकी ओर से चुनाव या पार्टी में नई भूमिका की कोई घोषणा नहीं हुई थी. अब साधु यादव का बयान सामने आने के बाद चर्चा का दायरा जरूर बढ़ गया है. हालांकि, अभी आरजेडी या रोहिणी की ओर से छपरा से अगला चुनाव लड़ने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है.

साधु यादव ने किसी राजनीतिक बातचीत से इनकार किया. लेकिन इसी दौरान उन्होंने रोहिणी के राजनीतिक भविष्य को लेकर बड़ा दावा कर दिया. उन्होंने कहा कि

रोहिणी दोबारा चुनाव लड़ेंगी. अगर छपरा से चुनाव लड़ती हैं तो वह उनका पूरा समर्थन करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि वह छपरा से चुनाव जीतकर लोकसभा जाएंगी.

आकाश आनंद का बसपा में रॉयल रिटर्न

► मायावती के दांव से गरमाई यूपी की राजनीति

लखनऊ, 7 अक्टूबर. बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाने का फैसला लिया है. मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि पार्टी ने काफी सोच-विचार के बाद पार्टी और मूवमेन्ट के हित में यह निर्णय लिया है.

उन्होंने उम्मीद जताई कि अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के बाद पार्टी में सब कुछ ठीक और सुचारू ढंग से चलेगा. इस फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में



सरगमीं तेज हो गई है. मायावती ने कहा कि आकाश आनंद का व्यक्तित्व पार्टी में काफी हद तक ठीक रहा है, लेकिन पिछले दिनों कुछ ऐसे कारण रहे, जिनकी वजह से पार्टी संगठन में कई बार जरूरी बदलाव करने पड़े. इसके बाद आकाश आनंद के समुद्र अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने के लिए मजबूर होना पड़ा.

‘पूरा बहुजन समाज ही मेरा विराट परिवार’

मायावती ने कहा कि उनका निजी परिवार नहीं, बल्कि पूरा 'बहुजन समाज' ही उनका विराट परिवार है और उसका हित व कल्याण उनके लिए सर्वोपरि है. उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखने के लिए पिछले दिनों कई सख्त फैसले लिए गए और उनके अपने भाई-बहन व उनके परिवार के लोग भी कभी अपवाद नहीं रहे. आकाश आनंद को फिर से राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने के साथ मायावती ने उनके राजनीतिक उज्ज्वल भविष्य की कामना की.